पिछड़ा वर्ग की छात्राओं को विश्वस्तरीय कोचिंग की सुविधा हेतु आईआईटी कानपुर के साथ समझौता

लोक बिम्ब संवाददाता

पटना :- गोपाल विद्यार्थी जिले के जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान पिछड़ा वर्ग एवं अति स्थित सभागार में शुक्रवार को बिहार के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री रमा निषाद की अध्यक्षता में एक दिवसीय राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक और कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान पिछड़ा वर्ग की छात्राओं की शिक्षा व्यवस्था को लेकर विभाग ने आईआईटी कानपुर के साथ 'साथी' कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य विभाग द्वारा संचालित अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं को जेईई आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विश्वस्तरीय कोचिंग सुविधा प्रदान करना है। इससे पूर्व, एक विशेष सत्र में आईआईटी कानपुर की टीम द्वारा प्रधानाध्यापकों और नोडल पदाधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया।

आवासीय विद्यालयों का सुदृढ़ीकरण एवं सुविधाओं की समीक्षाः

विभाग द्वारा संचालित 39 अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालयों की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि 'जीविका' के माध्यम से विद्यालयों में मेस और साफ-सफाई के कार्यों का संचालन प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि छात्राओं को स्वच्छ कपड़े और गुणवत्तापूर्ण भोजन मिलने में किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। मंत्री ने विद्यालयों में नामांकन की स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार की महती आवश्यकता है और विभाग इसे प्राप्त करने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। बैठक में निमार्णाधीन योजनाओं से संबंधित मुद्दों की भी समीक्षा की गई और उन्हें समय सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वहीं लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्रों को लेकर गंभीरता जताते हुए उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि लंबित यूसी और एसी/डीसी विपत्रों का समायोजन शीघ्र अति शीघ्र सुनिश्चित किया जाए। राज्य भर में स्थित जननायक कपूर्री ठाकुर कल्याण छात्रावासों और अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रावासों के जीर्णोद्धार, मेस संचालन और छात्रों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभाग के प्रधान सचिव, अपर सचिव, संयुक्त सचिव सहित राज्य भर से आए सभी प्रमंडलीय उप निदेशक, जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी, प्रधानाध्यापक एवं अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।